एशिया

यह आकाशवाणी है । अब आप नारायण मित्तल से समाचार सुनिए, ''विश्व के नक्शे पर दक्षिणी सूडान नामक एक सम्प्रभु देश का उदय हुआ है । यह अफ्रीका महादेश का 54वाँ देश है ।'' रेडियो पर जैसे ही यह समाचार राजू ने सुना वह अपनी बड़ी दीदी से पूछ बैठा, दीदी यह महादेश क्या होता है और भारत किस महादेश में है ? दीदी मुस्कुराई और बोली विशालतम भू भाग जहाँ विभिन्न प्रकार की भौगोलिक विभिन्नताएँ पाई जाती हैं, महादेश कहलाते हैं । सामान्यतः कई देश इसके अन्तर्गत आते हैं । हम लोग एशिया महादेश में रहते हैं । राजू, आज मैं तुम्हे एशिया महादेश के बारे में बताती हूँ ।

एशिया विश्व का सबसे बड़ा महादेश है । इस महादेश में विश्व की सर्वाधिक आबादी रहती है । पृथ्वी के स्थल भाग का लगभग 30% हिस्से पर एशिया महादेश का विस्तार है विश्व की आबादी की 60% जनसंख्या यहाँ रहती है ।

उँगलियों पर कुछ जोड़ घटाव करके राजू बोला लगभग 400 करोड़ लोग यहाँ रहते हैं, यही मतलब है न, हाँ दीदी बोलो । तुम्हें तो खूब ज्ञान है राजू । अब जरा इस मानचित्र को देखकर एशिया महादेश की चौहद्दी बताओ तो जानें । राजू दीवार पर टंगे मानचित्र के पास जाकर खड़ा हो गया और कहने लगा, दीदी एशिया के पूरब में प्रशांत महासागर, पश्चिम में यूरोप और अफ्रीका महादेश तथा दक्षिण में हिंद महासागर और उत्तर में आर्कटिक महासागर है । शाबाश ! थोड़ा और बताओ दीदी ने कहा । राजू उत्साहपूर्वक बताने लगा ''लालसागर और स्वेज नहर एशिया को अफ्रीका महादेश से अलग करते हैं । यूरोप से यह प्रधानतः यूराल पर्वतमाला द्वारा अलग होता है । एशिया को यूरोप से अलग करने वाले में डारडानेलिस जलसंधि, बास्पोरस जलसंधि, मारमारा सागर, काला सागर, कैस्पियन सागर, यूराल नदी की भी भूमिका है । बड़ी दीदी ने राजू को पीठ थपथपाई और कहा, राजू ग्लोब पर एशिया महादेश की स्थिति देखने पर यह पूर्वी गोलार्ध में भूमध्यरेखा से उत्तरी आर्कटिक महासागर तक फैला हुआ है । यह 10° दक्षिण से 80° उत्तर अक्षांश तथा 20° पूर्वी देशान्तर से पूरब दिशा की ओर अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा को पार करते हुए 170° पश्चिमी देशांतर तक फैला हुआ है । दीदी ने अपनी उँगलियों को ग्लोब पर घूमाते हुए कहा । राजू ध्यान से ग्लोब पर एशिया के फैलाव को देखता रहा । दीदी ने आगे कहा राजू, एशिया महादेश का आकार विशालकाय है इसलिए यहाँ भौतिक और जलवायु संबंधी विविधता पाई जाती है । यही कारण है कि यहाँ सांस्कृतिक विविधता को

WEBCOPY : BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

प्राचीनकाल से ही पनपने और विकसित होने का मौका मिला है । मानचित्र को ओर गौर से देखते हुए राजू बोल उठा- दीदी, एशिया का तट काफी कटा-छँटा है । यहाँ गहरसागरीय जल विभिन्न स्थल भाग में बहुत अंदर तक घुसा हुए हैं । हाँ, दीदी बोली- इसीलिए तो यहाँ कई प्रायद्वीपों का निर्माण हुआ है । अरब प्रायद्वीप, भारतीय प्रायद्वीप, मलय प्रायद्वीप, हिन्द चीन प्रायद्वीप, कमचटका प्रायद्वीप, कोरिया प्रायद्वीप इत्यादि । इंडोनेशिया, फिलीपीन्स, जापान, ताइवान, श्रीलंका आदि बड़े-बड़े द्वीप भी हैं जो मुख्यत: दक्षिण और पूरब में स्थित हैं ।

चित्र 6.1 : एशिया का राजनैतिक मानचित्र

क्रियाकलाप

एशिया के नक्शे पर पामीर की गाँठ से जुड़ी सभी पर्वत शृंखलाओं, पठारों की रूपरेखा खींचिए ।

दीदी अब थंडा एशिया महादेश के भूखंड के बारे में बताइए ना । राजू ने अग्रह किया । हूँ हाँ क्यों नहीं । अत्यंत विशाल भूखंड होने के कारण यहाँ प्राकृतिक बनावट में बहुत विविधता पाई जाती है । यहाँ पहाड़, पठार, मैदान सभी मिलते हैं । यदि उपग्रह से प्राप्त चित्रों को हम देखें तो एशिया के मध्यवर्ती हिस्से में मोड़दार पर्वतों की विशाल शृंखला मिलती है । ये शृंखलाएँ पामीर के पठार से विभिन्न दिशाओं में फैली हुई हैं । इसके पश्चिमी भाग में दक्षिण पश्चिम एशिया के पहाड़ों की शृंखलाएँ हैं । यहाँ आरमीनिया की गाँठ भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है । पामीर की गाँठ से दक्षिण पूरब हिस्से में हिमालय पहाड़ की शृंखला फैली हुई है । यह संसार की सबसे ऊँची एवं नवीन पर्वत शृंखला है । इसकी सबसे ऊँची चोटी माउन्ट एवरेस्ट है जो विश्व का सबसे ऊँचा शिखर है । इसकी ऊँचाई 8848 मीटर है । हिमालय तथा कुनलुन पर्वत श्रेणी के बीच तिब्बत का पठार है । इसे संसार की छत कहते हैं । यह विश्व का सबसे ऊँचा पठार है । एशिया महादेश के दक्षिण में अरब के पठार एवं दक्षिण भारत के प्रायद्वीपीय पठार अत्यंत प्राचीन हैं । पृथ्वी के उत्पत्ति के साथ ही इनका निर्माण हुआ है । राजू चुपचाप ध्यानपूर्वक सुन रहा था दीदी ने आगे कहा– राजू एशिया के दक्षिणी भाग में उपजाऊ नदियों के मैदान पाए जाते हैं । इसमें उत्तरी भारत का विशाल मैदान बहुत ही महत्वपूर्ण है । हम लोग भी इसी क्षेत्र के निवासी हैं । सचमुच ! राजू बोल पड़ा ''कितना अच्छा है हमारा विशाल मैदान'' राजू खुश हो गया । यह हम लोगों के लिए सौभाग्य की बात है कि उत्तर भारत का यह विशाल मैदान जहाँ हम लोग रहते हैं गंगा-सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा लाई गई मिट्टियों से बना है । यह अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है । हिमाहे नदी द्वारा लाई गई मिट्टी के निक्षेप से उत्तरी चीन में उपजाऊ मैदान विकसित है ।

दो नदियों के बीच की भूमि को दोआब कहते हैं ।

क्रियाकलाप

स्थानीय स्तर पर दोआब क्षेत्र की पहचान कर नाम बताओ ।

पश्चिम में इराक का मैदान दजला और फुरात नदियों के दोआब में पड़ता है । एशिया महादेश के उत्तरी भाग में नीची भूमि या मैदानी भाग पाए जाते हैं । यहाँ भूमि की ढाल इतनी कम है कि आर्कटिक सागर में गिरने वाली नदियाँ यहाँ दलदल बनाती हैं । यह मुख्यतः ओब, येनेसी तथा लीना नदियों द्वारा निर्मित मैदान है और हाँ, एशिया महादेश की एक और धरातलीय विशेषता है पूरब एवं दक्षिण पूरब के महासागरों व सागरों में द्वीप समूह की विस्तृत शृंखलाएँ । दक्षिण पूरब में अनेक छोटे छोटे द्वीप आये जाते हैं । पूरब में स्थित

© BSEBPC WEBCOPY. NOT TO BE PUBLISHED

क्रियाकलाप

राजू और उनके दीदी के बीच एशिया महादेश के बारे में हुए वार्तालाप के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को नोट कीजिए ।

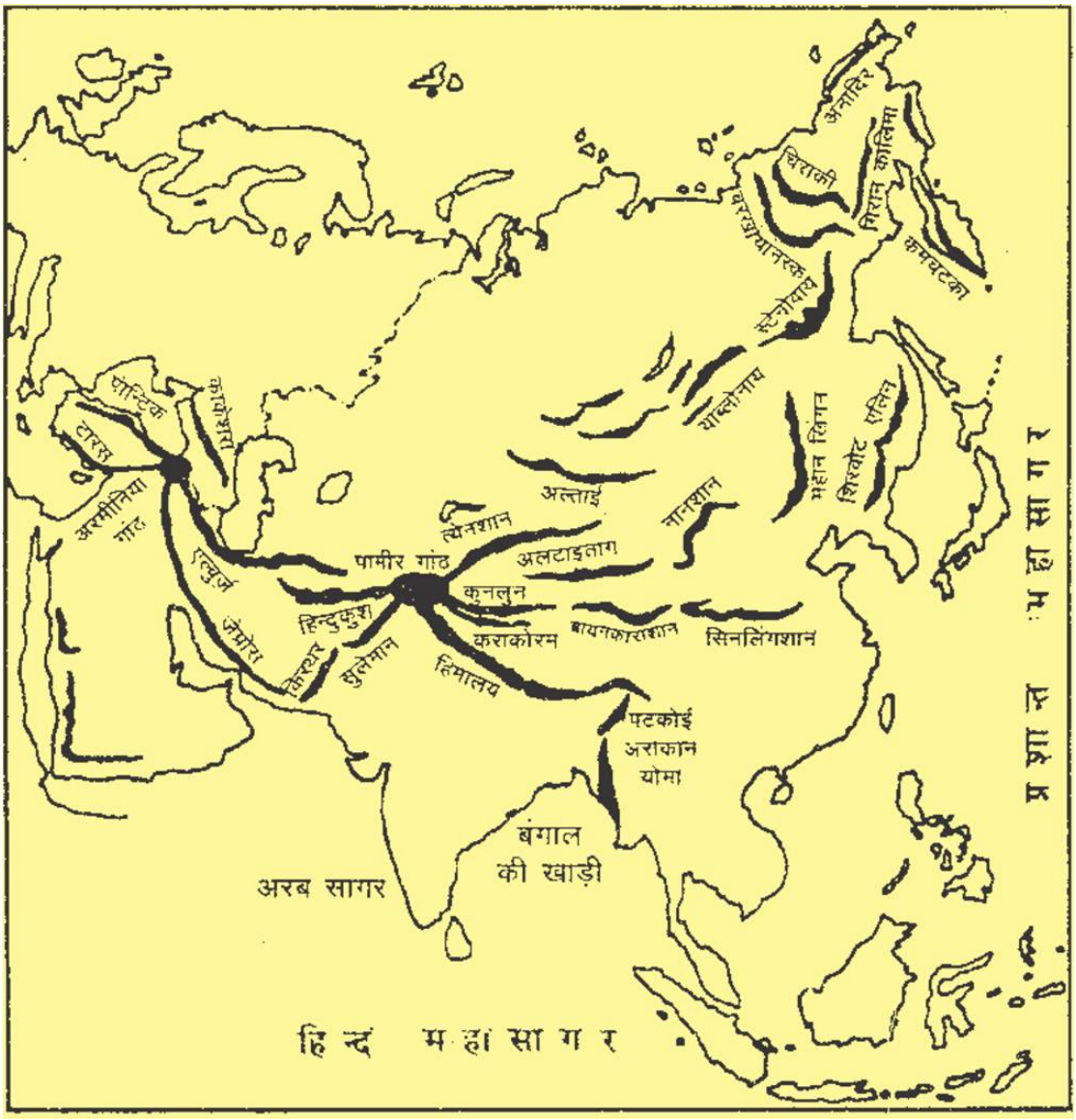

चित्र 6.2 : **पामीर गाँठ एवं पर्वतों के मानचित्र**

जापान कई छोटे-छोटे द्वीपों का समूह है। इन द्वीपों की मुख्य विशेषता है कि इन पर कई ज्वालामुखी के पहाड़ पाए जाते हैं। इसमें से कई ज्वालामुखी तो जागृत हैं (आज भी क्रियाशील हैं) तो कई सुषुप्त भी। समझे राजू ? राजू ने सहमति में सिर हिलाया। दीदी, एशिया महादेश के बारे में आप तो बहुत कुछ जानती हैं। राजू ने कहा। राजू अब अगले दिन तुम्हें और भी बातें बताऊँगी। यह कहकर दीदी काम में लग गई। राजू भी अपनी याददाश्त और समझ के आधार पर अपने नोट बुक में सुनी-समझी गई बातों को नोट करने लगा।

जलवायु वनस्पति

अगले दिन मौका देखकर राजू दीदी के पास जा बैठा। राजू को आया देख दीदी ने कहा मुझे मालूम है कि तुम एशिया के बारे में और जानना चाहते हो। पहले बताओ तो सही कल मैंने क्या बताया था ? राजू ने वह सब बता दिया जो उसकी दीदी ने बताया था। दीदी बहुत खुश हुई और राजू से कहा कि, आज मैं तुम्हें एशिया की जलवायु के बारे में बताती हूँ। राजू सचेत होकर बैठ गया। दीदी कहने लगी एशिया महादेश की जलवायु में काफी विविधता है। इसी महादेश में सर्वाधिक ठंडा प्रदेश और सर्वाधिक गर्म प्रदेश तो पड़ता ही है सबसे आर्द्र और सबसे शुष्क क्षेत्र भी पाए जाते हैं। इस महादेश का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार बहुत अधिक है। समुद्रतट से स्थलीय भाग की दूरी काफी है इसलिए महाद्वीपता की स्थिति पाई जाती है। एशिया के उत्तरी भाग की जलवायु अत्यंत ठंढी है। रूस स्थित बॅरखोयांस्क का तापमान -70° तक पहुँच जाता है।

जानकारी

समुद्र से अधिक दूरी के कारण समुद्र के सम प्रभाव का अभाव महाद्वीपता कहलाती है। इसमें जाड़ा अधिक ठंढा और गरमी अधिक गरम होती है। इसमें दैनिक व वार्षिक तापान्तर अधिक होता है तथा समुद्र से दूरी के कारण नमी युक्त हवाएँ यहाँ तक पहुँचते-पहुँचते शुष्क हो जाती हैं, इसलिए यहाँ वर्षा अपेक्षाकृत कम होती है।

बाप रे। इतनी ठंढ राजू अनायास बोल पड़ा ! दीदी मुस्कुराते हुए बोली, अरे सबसे गर्म प्रदेश मित्राबा, कुवैत एशिया में ही है। लेकिन दक्षिणी क्षेत्र की जलवायु खुशनुमा है। यहाँ अधिकांशतः गरमी का मौसम रहता है। दक्षिण पूर्व एशिया में मॉनसूनी जलवायु पाई जाती है। सर्वाधिक वर्षा का क्षेत्र भी यहीं पाया जाता है। जबकि दक्षिण में भूमध्यरेखा के समीप विषुवतीय जलवायु पाई जाती है। राजू गंभीरता से दीदी की बातों को सुन रहा था। दीदी ने बात आगे बढ़ाई। एशिया में पूर्वी हिस्से की जलवायु, समुद्र की समीपता से प्रभावित है। यहाँ गरमी के बाद अधिक वर्षा होती है। सितम्बर में यहाँ भीषण तूफान चलते हैं जिसे 'टायफून' कहते हैं। इस क्षेत्र में गर्म महासागरीय जलधारा

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

क्यूरेशियो बहती है । इसमें उत्तर के तटीय भाग से ठंडी जलधारा आ कर मिलती है जो आस पास के क्षेत्र का तापमान काफी कम कर देती है । यह जलधारा क्यूराइल भाग से जानी जाती है जहाँ ठण्डी व गर्म जलधाराएँ मिलती हैं वहाँ दोनों के संपर्क से घना कोहरा छाया रहता है । लेकिन यह मछलियों के शिकार के लिए अनुकूल होती हैं क्योंकि इसमें प्लैंक्टन नाम के सूक्ष्म पौधे काफी मात्रा में पाए जाते हैं जिन्हें मछलियाँ बड़े चाव से खाती हैं । इसलिये यहाँ मछलियाँ बहुतायत पाई जाती हैं ।

अच्छा राजू बायोम के बारे में क्या जानते हो ? दीदी ने पूछा – राजू चुप ।

धरती और आकाश के बीच जलवायु, वनस्पति, जीव–जंतु को सम्मिलित रूप से बायोम कहते हैं । एशिया में प्रायः सभी प्रकार के बायोम पाए जाते हैं । ये सभी एक पारितंत्र में शामिल होते हैं । एशिया का एकदम से उत्तरी भाग जो **टुंड्रा प्रदेश** कहलाता है वहाँ घास, काई और अन्य छोटे–छोटे पौधे पाए जाते हैं । रेंडियर यहाँ का मुख्य पशु है । कहते हुए दीदी ने रेंडियर का चित्र दिखलाया । राजू उत्सुकता पूर्वक चित्र देखने लगा । दीदी ने फिर राजू का ध्यान खींचा, और कहा ये देखो कोणधारी वृक्ष । ये टुंड्रा प्रदेश के दक्षिण में **टैगा वन** क्षेत्र में मिलते हैं । इस क्षेत्र में स्प्रूस, लार्च, फर आदि नुकीली पत्तियों के वृक्ष मिलते हैं इन्हें कोणधारी वन भी कहते हैं । यहाँ के मुख्य पशु लोमड़ी, सील, मिंक हैं । इसके दक्षिण के क्षेत्र में चौड़ी पत्तों वाले और नुकीली पत्तियों वाले दोनों ही प्रकार के वृक्ष मिलते हैं, इसलिए इसे **मिश्रित वन** कहते हैं । एशिया के उत्तर के अंदर के प्रदेशों में जंगल धीरे–धीरे घास के मैदान में समाहित हो जाते हैं ।

चित्र 6.3 : **रेंडियर**

समशीतोष्ण घास का मैदान **स्टेपी घास का मैदान** कहलाता है । इस प्रदेश का मुख्य पशु बारहसिंगा है । एशिया के दक्षिण पश्चिम व उत्तर मध्य (मंगोलिया) के अंदर के प्रदेशों में मरुस्थलीय वनस्पति पाई जाती है। यहाँ छोटे काँटेदार मोमी (चिकनी) पत्तियों वाली वनस्पतियाँ पायी जाती हैं । महादेश के दक्षिण पश्चिम में अरब और थार का

चित्र 6.4 : **याक**

उष्ण मरुस्थल है तो मध्यवर्ती हिस्से में गोबी और तिब्बत का शीतोष्ण मरुस्थल है। शीतोष्ण पर्वतीय भाग में याक प्रमुख पशु है। उष्ण मरुस्थल में ऊँट प्रमुख पशु है जिसे **'मरुस्थल का जहाज'** भी कहते हैं। यह पशु कई दिनों तक बिना पानी पीये भी रह सकता है। दक्षिण एशिया में मॉन्सूनी वन पाए जाते हैं। यहाँ साल, चंदन, सागवान जैसे कुछ उपयोगी वृक्ष मिलते हैं। हाथी यहाँ का विशिष्ट पशु है।

उत्तरी-पूर्वी एशिया में अपेक्षकृत ठंडी जलवायु मिलती है, इसलिए यहाँ शीतोष्ण वन पाए जाते हैं। एशिया के एकदम दक्षिणी भाग में जहाँ विषुवतरेखीय जलवायु है वहाँ विषुवतरेखीय वन पाए जाते हैं। यहाँ काफी सघन, ऊँचे एवं छतरीनुमा आकार के वृक्ष पाए जाते हैं धरातल लता-वितानों से भरा रहता है। इसलिए सूर्य की किरणें धरातल तक नहीं पहुँच पातीं इसलिए इन्हें 'अँधेर वन' भी कहा जाता है चूँकि यहाँ सघन वन होते हैं अतः सूर्य की किरणें उन तक नहीं पहुँच पाती हैं फलतः लतावितानों में सूर्य की किरणों तक पहुँचने की होड़ होती है। जिसके कारण ये काफी लंबे एवं ऊँचे होते हैं। अतः फाँदने वाले पशु जैसे लंगूर, बंदर आदि पाए जाते हैं। यह हमारे एशिया महादेश की जलवायु एवं वनस्पति संबंधी विभिन्नता है। इतना कहकर दीदी ने राजू की गाल थपथपाया। आज इतना ही, कहकर दीदी उठ गई। राजू भी एशिया महादेश की इन विभिन्नताओं के बारे में जानकर खुश हुआ।

जनसंख्या

राजू अगले दिन स्कूल से वापस लौटते ही दीदी से मिला और बोला, दीदी आज हमारे स्कूल में विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन किया गया। लेख, पेंटिंग की प्रतियोगिता भी हुई हमारे शिक्षक ने बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभाव भी बताए और जनसंख्या कम करने के प्रति सजग रहने को भी कहा। हमें अपने देश-महादेश को जनसंख्या विस्फोट से बचाना चाहिए। दीदी बोली, राजू तुम्हें मालूम है कि अपने एशिया में रहने वाले लोगों की यदि मानव शृंखला बना दी जाए तो विषुवत रेखा पर वह सौ बार बनेगी। चीन और भारत तो विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश हैं। एशिया महादेश में सर्वाधिक जनसंख्या पाए जाने के कारण ही इसे 'मानव का घर' (Home of Man) कहा जाता है। और हाँ, जीवन प्रत्याशा भी एशिया महादेश के जापान में सबसे अधिक पाई जाती है। जनसंख्या अधिक होने के बाद भी मजेदार यह है कि कई ऐसे स्थान हैं जहाँ बहुत कम मानव निवास करते हैं और कई स्थान ऐसे हैं जहाँ काफी जनसंख्या निवास करती है। एशिया के जनसंख्या वितरण के मानचित्र को देख लें तो यह बात

स्थान विशेष में निवास करने वाले निवासियों के जीवित रहने की औसत आयु जीवन प्रत्याशा है।

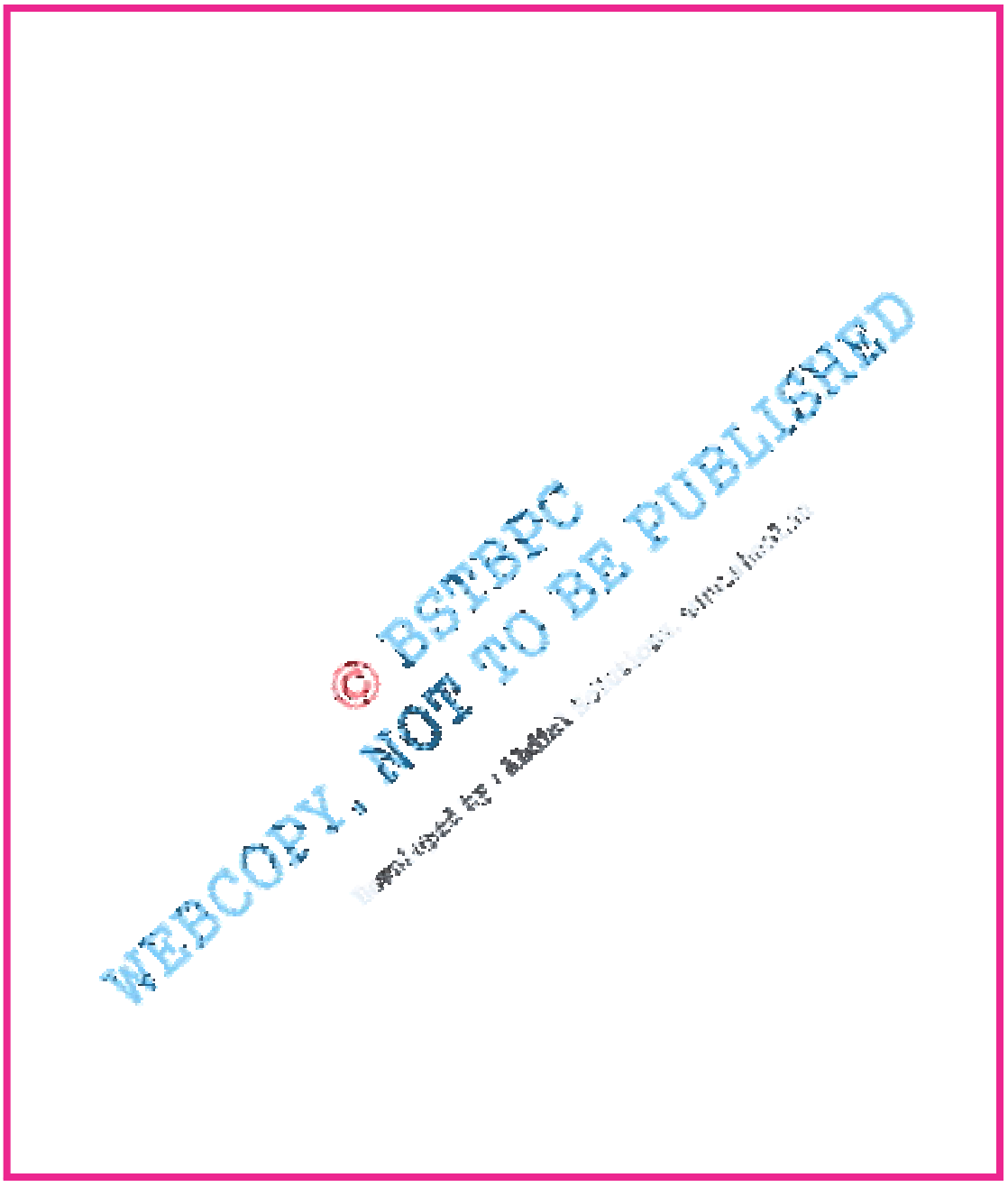

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

चित्र 6.5 : एशिया : जनसंख्या मानचित्र

दक्षिण एशिया के आठ महत्त्वपूर्ण देशों का संगठन सार्क कहलाता है । दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की स्थापना 1985 में हुई थी । इसका मुख्यालय नेपाल (काठमाण्डू) में है । भारत, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, अफगानिस्तान, मालदीव इसके सदस्य हैं ।

स्पष्ट हो जाती है कि दक्षिण एवं पूरब के तटीय क्षेत्रों में घनी आबादी है इसके विपरीत एशियाई रूस में जनसंख्या काफी कम है और हाँ इस जनसंख्या के बँटवारे में भी मजेदार बात है कि सिंगापुर शहर की 100% आबादी शहरों में रहती है तो इसके उलटा भूटान में 93% लोग गाँवों में रहते हैं । अरे यह तो बड़ी मजेदार बात है राजू बीच में ही बोल उठा । हाँ, जनसंख्या के इस शहरीकरण को ऐसे भी समझ लो राजू, यह कहकर दीदी ने एक आरेख बनाया :-

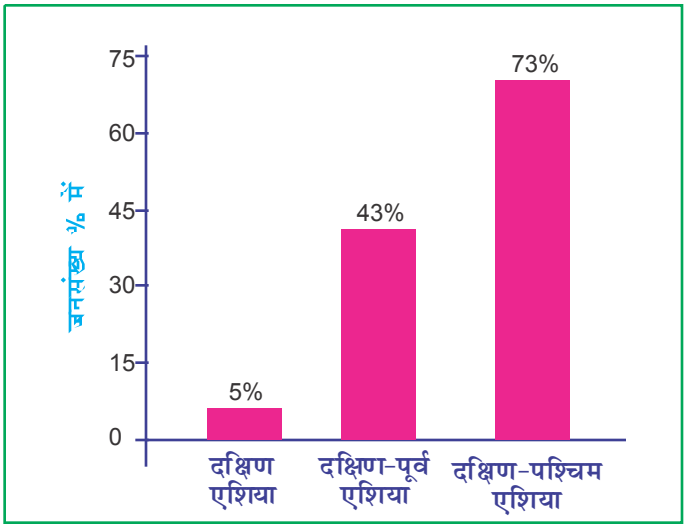

चित्र 6.6 : आरेख

राजू ने गौर से देखा और कहा दीदी इसे देखने से यह स्पष्ट होता है कि दक्षिण एशिया की कुल आबादी का 29% ही शहरीकरण हुआ है जबकि दक्षिण पश्चिम एशिया की दो तिहाई आबादी शहरी है ।" बिल्कुल ठीक" कहते हुए दीदी ने राजू की पीठ थपथपाई लेकिन दीदी "राजू ने संशय जाहिर की," जनसंख्या का वितरण और शहरीकरण में इतनी असमानता क्यों है ?

तुम्हारा प्रश्न बिल्कुल ठीक है । देखो, जलवायु, मिट्टी, जल की उपलब्धता आदि जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करते हैं वहीं यातायात, संचार के साधन, औद्योगिक विकास, रोजगार के साधन, नागरिक सुविधाएँ इत्यादि शहरीकरण के वितरण को प्रभावित करते हैं ।

हूँ, ये बात तो है । दीदी अपने ही मुहल्ले के कई लोग तो नौकरी के लिए बड़े शहरों में चले

गए हैं – राजू बोला ।

"हाँ" दीदी ने सहमति में सिर हिला दी ।

राजू, जनसंख्या के अत्यधिक बढ़ जाने से कई समस्याएँ पैदा होती हैं । एशिया महादेश के 70% लोग कृषि से ही जीविका प्राप्त करते हैं । कृषि भी लगभग परम्परागत ढंग से होती है । अतः बढ़ती हुई जनसंख्या का निर्वाह मुश्किल होता जा रहा है । जनसंख्या का घनत्व भी बढ़ रहा है और भूमि पर दबाव भी बढ़ता जा रहा है । बढ़ती जनसंख्या का कुप्रभाव सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक जीवन पर भी पड़ता है ।

हाँ दीदी, इसलिए तो सरकारें भी छोटा परिवार रखने को कहती हैं ।

"बिल्कुल सही ।"

सांस्कृतिक विविधता

दीदी एशिया महादेश की कुछ सांस्कृतिक विशेषताएँ और पहचान के बारे में भी बताइए । राजू ने उत्सुकता जाहिर की । इसके बारे में मैं तुम्हें कल बताऊँगी – कहकर दीदी ने राजू को वहाँ से जाने का इशारा किया । राजू भी आदर से उठकर चल दिया ।

अगले दिन राजू को दीदी ने बुलाया और उसके हाथ में एक किताब थमा दी । कहा – इसको पढ़ो । इससे तुम्हें एशिया की सांस्कृतिक झलक मिलेगी । राजू किताब पाकर खुश हुआ । किताब लेकर वह पढ़ने बैठ गया । पहले ही पन्ने पर शीर्षक था – "एशिया महादेश की सांस्कृतिक विविधता व परिवेश" । उसने पढ़ना शुरू किया – एशिया महादेश की संस्कृति में कला, संगीत, वेश-भूषा, रहन-सहन, खानपान विविधताओं से भरा हुआ है । विभिन्न धर्मावलंबी, दर्शन और सम्प्रदाय यहाँ की संस्कृति की विशेषता है ।

विश्व के सभी धर्मों की उत्पत्ति इसी महादेश की धरती से हुई हैं । हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध मतावलंबियों की प्रमुखता है । विश्व की प्राचीन सभ्यताओं का विकास इसी महादेश की नदी घाटियों में हुआ है । दजला-फुरात नदी घाटी में मेसोपोटामिया की सभ्यता (इराक), सिंधुघाटी की सभ्यता (भारत, पाकिस्तान), हांगहो नदी घाटी सभ्यता (चीन) ये सभी एशिया महादेश में ही विकसित हुए । इतनी सारी सभ्यताओं का एक महादेश में उत्थान और पतन एक अभूतपूर्व घटना है । इसलिए तो एशिया महादेश को सभ्यताओं का पलना (Cradle of civilization) कहा जाता है । जलवायु की विभिन्नता के कारण इस महादेश में विभिन्न नृजातियाँ पाई जाती हैं । इन नृजातियों ने पहाड़ों, मरुभूमि, घास के मैदान, जंगल, नदी-घाटियों में बड़ी कुशलता से अपना समायोजन किया

हैं। कुछ गुजाति समूह शिकारी एवं संग्राहक हैं तो कुछ ऋतुप्रवास को अपनाते हैं।

मैदानों व नदी घाटियों में कृषक समाज ने परम्परागत कृषि और आधुनिक कृषि के तरीकों को समन्वित रूप से अपनाया हुआ है जैसे–जापानी कृषक। बीसवीं सदी से एशियाई राष्ट्रों में राष्ट्रीयता की लहर भी दौड़ी इसलिए एशियाई राष्ट्र उपनिवेशवाद से मुक्त हुए। अपने औपनिवेशिक काल के दौरान पश्चिमी राष्ट्रों के प्रभाव से यहाँ सांस्कृतिक बदलाव भी आए। यही कारण है कि सिंगापुर, हाँगकाँग जैसे क्षेत्र पूर्णतः यूरोपीय शैली में शहरीकृत हुए हैं।

धान यहाँ की प्रमुख फसल है। मछली भी मुख्य आहार है सुशी जापान का प्रमुख पकवान है। जापान, कोरिया एवं वियतनाम के लोग लकड़ी की दो पतली डंडियों के सहारे भोजन करते हैं। जबकि भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश इत्यादि देशों में उँगलियों से खाना खाते हैं। प्राकृतिक विविधताओं ने एशिया में कई संस्कृति को जन्म दिया है। इसलिए इस महाद्वीप को कई सांस्कृतिक उप प्रदेशों में बाँटा जाता है –

पूर्वी एशिया – इसके अंतर्गत चीन, जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया जैसे महत्वपूर्ण देश हैं। ऐतिहासिक रूप से इस सम्पूर्ण इलाके में चीन का प्रभाव रहा है। यहाँ बौद्ध धर्म और ताओवाद की प्रभुता है। जीवन पर कन्फ्यूशियस के दर्शन का प्रभाव झलकता है। चीनी लिपि विश्व की सबसे पुरानी लिपि है। इसका प्रभाव जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया की भाषा पर भी पड़ा है। यह इस क्षेत्र में लोगों का एक दूसरे से सम्पर्क का महत्वपूर्ण कारक है।

दक्षिण एशिया – इस क्षेत्र के प्रमुख देश भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान एवम् श्रीलंका हैं। यहाँ हिन्दू धर्म के अलावे बौद्ध, जैन, सिक्ख आदि सम्प्रदायों का प्रादुर्भाव हुआ। दक्षिण भारत के राज्यों के अलावे उत्तरी श्रीलंका में द्रविड़ संस्कृति एवं भाषा पाई जाती है। लोगों के वेशभूषा एवं खान-पान में भी अंतर देखा जाता है। उधर बांग्लादेश और भारत के पश्चिम बंगाल में भी समान सांस्कृतिक विशेषता देखने को मिलती है।

भारत के सिक्किम अरूणाचल प्रदेश, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के कुछ हिस्सों के अलावा नेपाल-भूटान देशों में समान सांस्कृतिक परिवेश दिखाई पड़ता है। इंडो-आर्यन भाषा पाकिस्तान, श्रीलंका और नेपाल में बोली जाती है। तिब्बत-बर्मन भाषा उत्तर और उत्तरपूर्वी भारत में बोली जाती है।

दक्षिण-पूर्वी एशिया – इसके अंतर्गत म्यांमार, फिलीपीन, थाइलैंड, लाओस, कंपूचिया, मलेशिया, सिंगापुर, पूर्वी तिमूर, ब्रूनेई और इंडोनेशिया आता है। यह प्रदेश भारत और चीन की संस्कृति तथा धर्म से बहुत अधिक प्रभावित है। द० प० एशिया से यह प्रदेश इस्लाम और इसाई धर्म

WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

से बहुत अधिक प्रभावित है । उपनिवेशवाद के कारण यहाँ पाश्चात्य सभ्यता का भी प्रभाव देखने को मिलता है । इसका बहुत अच्छा उदाहरण फिलीपींस है जो अमेरिका और स्पेन के विदेशी शासन से प्रभावित रहा है ।

इस क्षेत्र की आम विशेषता जो देखने को मिलती है वह है मचान पर बना हुआ घर । दूसरी विशेषता है धान के खेत । नृत्य भी यहाँ की एक खास विशेषता है जिसमें हाथ और पैरों का बहुत लयात्मक गति (Rhythmic movement) की जाती है । इसके अतिरिक्त यहाँ की कला एवं साहित्य भी हिन्दू, चीनी, बुद्ध एवं इस्लाम के साहित्य से प्रभावित है ।

पश्चिम एशिया – यह क्षेत्र बहुत सारे देशों को समाहित किये हुए है । यह क्षेत्र इस्लाम, इसाई जूडिज्म का ऐतिहासिक जन्म स्थल रहा है । आज यहाँ इस्लाम धर्म की प्रधानता है । लगभग 90% लोग मुस्लिम हैं । सांस्कृतिक रूप से यह क्षेत्र तुर्क, अरब और ईरानी है । इसका एक ऐसा अद्भुत देश है जहाँ ये तीनों संस्कृतियाँ एक साथ पाई जाती हैं । अधिकांश अरब देश मरुस्थल है और यहाँ खानाबदोश पाए जाते हैं । आधुनिक बड़े-बड़े शहर भी बालू के स्तूप पर स्थित हैं जिसका बहुत अच्छा उदाहरण - अबूधाबी, अमान, रियाद, दोहा और मस्कत है । अनातोलिया का पठार जो तुर्की में पाया जाता है वहाँ समशीतोष्ण किस्म की जलवायु पाई जाती है और इसके तटीय हिस्से में सुस्पष्ट भूमध्यसागरीय जलवायु मिलती है । इरान के पठार में विविध किस्मों के धरातल हैं । इरान के उत्तर में पहाड़ी क्षेत्र है इस पर मरुस्थलीय स्टेपी और ऊष्ण कटिबंधीय जंगल कोस्पियन सागर की दिशा में पाए जाते हैं । पश्चिमी एशिया का खानपान बहुत देशों की संस्कृति का मिला जुला रूप है जिसमें अरब, तुर्की, उत्तरी अफ्रीका और ईरान आदि के खान-पान सम्मिलित हैं । यहाँ का खाना विविध और गरिष्ट है । यहाँ का साहित्य भी बहुत धनी है जिसमें अरबी, तुर्की और इरानी साहित्य का वर्चस्व है । 1001 **अरेबीयन नाईट** यहाँ की अत्यंत प्रसिद्ध साहित्यिक कृति है ।

मध्य एशिया – इस प्रदेश में मुख्यतः पहले के सोवियत समाजवादी संघराज्य के पाँच प्रदेश सम्मिलित हैं – कजाकिस्तान, खिरगिजस्तान, ताजकिस्तान, उज्बेकिस्तान और तर्कमेनिस्तान । यहाँ का सबसे प्रमुख धर्म इस्लाम है । मध्य एशिया का ऐतिहासिक महत्व सिल्क रूट (Silk Route) के कारण बढ़ जाता है । यहाँ की संस्कृति एकदम अलग और विविधता से भरी है । यह ऐतिहासिक काल में विभिन्न लोगों द्वारा जीता जाता रहा है जैसे – मंगोल, इरानी, टार्टर, रूसी इत्यादि । यहाँ की संस्कृति चीन, दक्षिण एशिया, ईरान, अरब, तुर्की और मंगोल संस्कृति से प्रभावित है । इस क्षेत्र के स्टेपी घास के मैदान के निवासी खानाबदोश जीवन व्यतीत करते हैं । यहाँ का संगीत बहुत ही मधुर और पूरी दुनिया में पसंद किया जाता है । यहाँ के खान पान पर भारत, पाकिस्तान, चीन और

अजरबैजान का काफी प्रभाव दिखाई पड़ता है । सिल्क रूट के कारण यहाँ के साहित्य पर चीन, भारत, ईरान, अरब के साहित्य का प्रभाव भी है ।

उत्तर एशिया – यह क्षेत्र रूस के अन्तर्गत है । यह साइबेरिया का भौगोलिक क्षेत्र है ।

यह आखेटक एवं पशुचारण अवर्णित दो तीन जनजाति है । परमा फ्रास्ट (मृदा में भी हिम बर्फ का जम होना) के कारण कृषि नहीं हो पाती है । फिर भी आधुनिक तकनीकी की मदद से पश्चिमी साइबेरिया में गेहूँ के बड़े-बड़े फार्म विकसित किये गये हैं । ट्रांस-साइबेरियन रेलवे और खनन कार्यों से यहाँ पर आधुनिक जीवन शैली का प्रभाव पड़ा है । प्रतिकूल स्थिति के ही कारण जनसंख्या विरल है ।

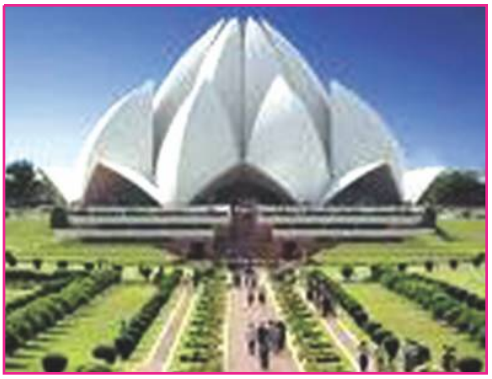

चित्र 6.7 : **लोटस टेंपल (दिल्ली)**

धार्मिक जीवन – एशिया महादेश की जीवन शैली पर धर्म का व्यापक प्रभाव है । हिंदू, जैन, बौद्ध, सिक्ख धर्म का अभ्युदय एवं विन्यास भारत में हुआ । जापान और चीन में कन्फ्यूशियसवाद, ताओ, शिन्तो धर्म का अभ्युदय हुआ । अन्य धर्मों में बहाई भी प्रमुख है । दिल्ली में बहाई धर्म का एक दर्शनीय लोटस मंदिर है । आज विश्व के 30% मुस्लिम दक्षिण एशिया के पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, मालदीव में रहते हैं । विश्व में मुसलमानों की सर्वाधिक आबादी इंडोनेशिया में है । इसके अलावे फिलीपीन्स, ब्रूनेई, मलेशिया, चीन, रूस में भी बड़ी संख्या में मुस्लिम रहते हैं । इजराइल देश में यहूदी धर्म को मानने वाले लोग हैं । प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन यहूदी ही थे । अफगानिस्तान में बामियान की पहाड़ियों में खुदे बुद्ध की मूर्ति बौद्ध दर्शन की व्यापकता बताता है । एशिया महादेश में विभिन्न क्षेत्रों में अलग – अलग त्योहार और उत्सव मनाए जाते हैं । चीन और जापान में नए वर्ष को बड़े उत्सव के रूप में मनाते हैं । फिलीपीन को त्योहारों का देश कहा जाता है । वहाँ सालो भर त्योहार मनाए जाते हैं ईद का त्योहार पूरे एशिया में मुस्लिम उत्साह से मनाते हैं ।

अब तक राजू को भूख लग आई थी । पकवानों के बारे में पढ़कर उसकी भूख बढ़ गई । उसने मन ही मन दीदी को धन्यवाद दिया । तभी उसकी नजर क्षितिज के जिल्द पर गई उस पर भारत के महात्मा गाँधी, इंदिरागाँधी, चीन के माओत्से तुंग, म्यांमार की आंगसांग सू की, जापान के मेईजी, वियतनाम के हो-ची मिन्ह, इंडोनेशिया के सुकर्णो, श्रीलंका की सिरामावो भंडार नायके, बांग्लादेश के शेखमुजीबुर्रहमान की तस्वीरें थीं और लिखा था – विश्व को अपनी विचारधारा और जीवन दर्शन से

प्रभावित करने वाले एशियाई व्यक्ति . राजू इन तस्वीरों को गौर से देखने लगा । वह भूल गया कि उसे भूख लगी है ।

एशिया महादेश से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

सबसे गरम स्थान	-	मित्रावा (कुवैत)
सबसे ठंढा स्थान	-	वर्खोयांस्क, साइबेरिया (रूस)
मीठे पानी की झील	-	बैकाल झील (रूस)
सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान	-	मॉसिनराम, मेघालय (भारत)
संसार का छत्त	-	पामीर
सभ्यताओं का पलना	-	एशिया
उगते सूरज का देश	-	जापान
हाथियों का देश	-	थाईलैंड
अंकोरवाट का मंदिर	-	कम्बोडिया
सबसे लम्बी दीवार	-	चीन
सबसे ऊँचा सड़क मार्ग	-	खरदुंगला-लेह (भारत)
सबसे ऊँची बिल्डिंग	-	बुर्जखलीफा (संयुक्त अरब अमीरात)
समुद्र पर सबसे लंबा पुल	-	चीन
पूर्व का वेनिस		बैंकाक
ताजमहल		आगरा (भारत)
सबसे ऊँचा रेलमार्ग		चीन

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

अभ्यास के प्रश्न

(1) बहुवैकल्पिक प्रश्न :-

सही विकल्प को चुनें।

(i) एशिया के पूरब में हैं –

(क) प्रशांत महासागर (ख) यूरोप

(ग) हिंद महासागर (घ) लाल सागर

(ii) संसार की छत कहलाती है –

(क) तिब्बत का पठार (ख) माऊंट एवरेस्ट

(ग) पामीर का पठार (घ) यूराल पर्वत माला

(iii) एशिया के दक्षिणी भाग की जलवायु है –

(क) शीतोष्ण (ख) उष्ण

(ग) मरुस्थलीय (घ) विषुवतरेखीय

(iv) सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाला देश है –

(क) ब्रुनेई (ख) ईरान

(ग) कम्बोडिया (घ) इंडोनेशिया

(v) ह्वांग्हो नदी घाटी सभ्यता विकसित हुई –

(क) चीन में (ख) भारत में

(ग) ईरान-इराक में (घ) मिस्र में।

(2) सही मिलान करें–

1. रेंडियर	–	फिलीपीन
2. कोणधारी वृक्ष	–	पचूराइल
3. ठंडी जलधारा	–	टुंड्रा प्रदेश
4. त्योहारों का देश	–	उत्तर एशिया
5. घास का मैदान	–	टैगा
6. साइबेरिया	–	स्टेपी

(3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें (अधिकतम 50 शब्दों में)

(1) एशिया महादेश की चौहद्दी लिखें।

(2) एशिया को यूरोप से अलग करने वाले प्राकृतिक कारकों के नाम लिखें ।

(3) 'सभ्यताओं का पलना' एशिया को क्यों कहा जाता है ?

(4) एशिया महादेश में कृषि निर्वहन का प्रमुख साधन है । कैसे ?

(4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें ।(अधिकतम 200 शब्दों में)

(1) एशिया विविधताओं से भरा प्रदेश है । कैसे ?

(2) एशिया महादेश की आबादी विशाल है । क्यों ?

(3) एशिया की सांस्कृतिक प्रदेशों के बारे में लिखिए ।

(4) एशिया के महत्वपूर्ण देशों की विशेषताएं लिखिए ।

(5) कुछ करने को

(क) एशिया के नक्शे पर सार्क देशों को चिह्नित कर उनके नाम लिखिए ।

(ख) एशिया महादेश के नक्शे पर महत्वपूर्ण झीलें, नदियों, पहाड़ों को चिह्नित करें ।

(ग) अखबार में छपे एशियाई देशों से संबंधित खबरों को काटकर Scrap Book बनाइए ।

(घ) एशिया के मानचित्र पर सबसे गर्म और सबसे ठंढा प्रदेश चिह्नित कीजिए ।

❑❑❑